‘NMMSS 2025-26 के सितारे’

‘संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

- ✦ प्रेरणादायक कहानियां
- ✦ विद्यार्थियों के अनुभव
- ✦ सफलता के मंत्र

https://teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

कॉपीराइट सूचना

यह विशेषांक **"NMMSS 2025-26 के सितारे"** का संपूर्ण सामग्री, जिसमें लेख, कहानियॉं, चित्र, डिजाइन, ग्राफिक्स, तालिकाएँ, आंकड़े एवं अन्य सभी सामग्री शामिल है, **Teachers of Bihar (ToB)** के नाम से प्रकाशित एवं संरक्षित है।

कॉपीराइट अधिनियम

COPYRIGHT

इस विशेषांक की समस्त सामग्री भारतीय कॉपीराइट अधिनियम, 1957 (संशोधित समय-समय पर) के अंतर्गत संरक्षित है।

इस सामग्री का कोई भी भाग लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में – जैसे प्रिंट, डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक, ऑडियो, वीडियो या किसी अन्य माध्यम से प्रतिलिपि, पुनरुत्पादन, प्रकाशन या प्रसारण – करना कानूनन दंडनीय है।

उपयोग की शर्तें

- इस विशेषांक की सामग्री केवल शैक्षिक एवं प्रेरणादायक उद्देश्य के लिए उपयोग की जा सकती है।
- Teachers of Bihar (ToB) की लिखित अनुमति के बिना इस सामग्री का व्यावसाणिक उपयोग वर्जित है।
- किसी भी प्रकार की सामग्री का संदर्भ देते समय स्रोत का उल्लेख करना अनिवार्य है – "स्रोत: Teachers of Bihar (ToB)
- पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों/विद्यार्थियों के व्यक्तिनता विचार हैं, जिनसे Teachers of Bihar (ToB) अनिवार्य रूप से सहमत हो, ऐसा आवश्यक नहीं है।

महत्वपूर्ण सूचना

इस विशेषांक की किसी भी सामग्री का अनधिकुत उपयोग, नकल या वितरण करने पर भारतीय कॉपीराइट अधिनियम के अंतर्गत उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

प्रकाशक

Teachers of Bihar (ToB)
(शिक्षकों का अपना मंच)

www.teachersofbihar.org

teachersofbihar@gmail.com

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

★ हमारा संकल्प – शिक्षा, प्रेरणा और परिवर्तन ★

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

संपादकीय

NMMSS 2025-26 के सितारें

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

प्रिय पाठकों,

हमें अत्यंत हर्ष और गर्व है कि आपके हाथों में "NMMSS 2025-26 के सितारे - संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" का यह विशेष अंक पहुँचा है। यह केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि उन हजारों विद्यार्थियों के सपनों, संघर्षों, परिश्रम और उपलब्धियों का जीवंत दस्तावेज़ है जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प से सफलता की नई इबारत लिखी है।

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) में सफलता प्राप्त करने वाले इन विद्यार्थियों ने यह सिद्ध किया है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर प्रयास और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस पत्रिका में प्रकाशित प्रत्येक कहानी संघर्ष से सफलता तक की एक अनूठी यात्रा को दर्शाती है।

इस पत्रिका में संकलित प्रत्येक कहानी एक प्रेरणा है। कहीं माता-पिता के अथक परिश्रम का सम्मान है, कहीं शिक्षकों के मार्गदर्शन की शक्ति है, तो कहीं विद्यार्थियों की लगन और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण। इन कहानियों को पढ़ते हुए हमें महसूस होता है कि सफलता केवल अंक प्राप्त करने का नाम नहीं हैं, बल्कि चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ने का साहस भी है।

हमारा उद्देश्य इन सफल विद्यार्थियों का सम्मान करने के साथ-साथ उनकी प्रेरक यात्राओं को अन्य विद्यार्थियों तक पहुँचाना है, ताकि वे भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए उत्साहित हों।

सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों एवं सहयोगियों को हार्दिक बधाई। हमें विश्वास है कि यह विशेषांक अनेक विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

आइए, हम सभी मिलकर शिक्षा के इस प्रकाश को और अधिक फैलाएं तथा प्रत्येक बच्चे को यह विश्वास दिलाएं कि
"सपने वही नहीं जो सोते समय देखे जाते हैं, बल्कि सपने वे हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

ज्ञान का प्रकाश हर घर तक पहुंचे, हर विद्यार्थी अपने सपनों को पंख दे और संघर्ष की हर कहानी सफलता की मिसाल बने।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ, हम यह विशेषांक आपके समक्ष समर्पित करते हैं।

पंकज कुमार पंकज
प्रधान संपादक
NMMSS 2025-26 के सितारें
संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

NMMSS
के सितारे

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

इस अंक के सूत्रधार

संरक्षक

श्रीमती विभा रानी
SCERT पटना

संपादक

पप्पू कुमार पंकज
प्राथमिक विद्यालय अदलपुर
मोतीपुर, मुजफ्फरपुर

मार्गदर्शन एवं प्रेरणास्रोत

श्री शिव कुमार
फाउंडर
टीचर्स ऑफ बिहार

श्री शिवेंद्र कुमार सुमन
टेक्निकल टीम लीडर
टीचर्स ऑफ बिहार

श्री केशव कुमार
इवेंट लीडर
टीचर्स ऑफ बिहार

डिजाइनिंग एवं कंटेंट राइटिंग

पृथ्वी राज सिंह
सर्वोदय मध्य विद्यालय
रामगढ़, दरौंदा, सिवान

निवेदिता रानी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय पुपरी
कुढ़नी, मुजफ्फरपुर

पाठशोधक

निवेदिता रानी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय पुपरी
कुढ़नी, मुजफ्फरपुर

मिडिया टीम

रंजेश कुमार
प्रदेश प्रवक्ता
टीचर्स ऑफ बिहार

मृत्युंजय कुमार
प्रदेश मीडिया संयोजक
टीचर्स ऑफ बिहार

"हमारा प्रयास, शिक्षा का विकास"

ToB
Exam Cell

के सदस्य

श्री शिव कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
नारायणपुर, विक्रम, पटना

श्री शिवेंद्र कुमार सुमन
इंजीनियर,
मुजफ्फरपुर, बिहार

केशव कुमार
प्रा, वि, मोहनपुर उर्दू
मुरौल, मुजफ्फरपुर

मृत्युंजय कुमार
नव सृजित प्राथमिक विद्यालय
खुटौना
यादव टोला, पताही, पूर्वी चंपारण

पृथ्वी राज सिंह
सर्वोदय मध्य विद्यालय रामगढ़
दरौंदा, सिवान (बिहार)

पप्पू कुमार पंकज
प्रा. वि. अदलपुर
मोतीपुर, मुजफ्फरपुर

मनीष कुमार
उच्च विद्यालय लरौली
गोपालगंज

निवेदिता रानी
उ. म. वि. पुपरी
कुढनी, मुजफ्फरपुर

शुभम कुमार
उ० म० वि० विश्वम्भरपट्टी पश्चिमी
कटरा मुज़फ्फरपुर

शुभी श्रीवास्तव
रा. मध्य विद्यालय जांता पछियारी
गायघाट, मुज़फ्फरपुर

अभिषेक कुमार
उ. म. वि. गोपालपुर नेउरा
सरैया, मुजफ्फरपुर

कुमार अभिषेक
उ. म. वि. सलेमपुर
कांटी, मुजफ्फरपुर

अमितेश कुमार
रा. बुनियादी विद्यालय रेपुरा
सकरा, मुजफ्फरपुर

प्रताप कुमार
राजकीय मध्य विद्यालय
ओरमा मुकुंद, सिवान सदर, सिवान

अमिता चंद्रा
उ. म. वि. मिठनपुरा हिन्दी
मुशहरी, मुजफ्फरपुर

संजय कुमार
मध्य विद्यालय महलगांव
जोकीहाट, अररिया

अनुप्रिया
उ. उ. वि. कचना
सिकटी, अररिया

राम कृष्ण कांत तिवारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय असलान
रामपुर, गड़हनी भोजपुर

"संगठन • समर्पण • सफलता"
हमारा प्रयास, शिक्षा का विकास

अनुक्रमणिका

NMMSS 2025-26 के सितारे

पृष्ठ	विवरण
1	आवरण पृष्ठ
2	कॉपीराइट सूचना
3	संपादकीय
4	इस अंक के सूत्रधार
5	ToB Exam Cell के सदस्य
6	अनुक्रमणिका
7	शुभकामना संदेश
8	शुभकामना संदेश
9	शुभकामना संदेश
10	शुभकामना संदेश
11-13	शुभकामना संदेश
14	NMMSS 2025-26 : महत्वपूर्ण आँकड़े
15	इस विशेषांक के बारे में
16	मीडिया कवरेज
17	अभियान की झलकियाँ एवं उपलब्धियाँ
18	NMMSS 2025-26 अभियान की उपलब्धियाँ
19	सफलता की कहानी – 1
20	सफलता की कहानी – 2
21	सफलता की कहानी – 3
22	सफलता की कहानी – 4
23	सफलता की कहानी – 5
24	सफलता की कहानी – 6
25	सफलता की कहानी – 7
26	सफलता की कहानी – 8
27	सफलता की कहानी – 9
28	सफलता की कहानी – 10
29	सफलता की कहानी – 11
30	सफलता की कहानी – 12
31	सफलता की कहानी – 13
32	सफलता की कहानी – 14
33	QR Code, Google Form एवं संपर्क विवरण

आपकी सफलता हमारी प्रेरणा है...

आइए, मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करें।

NMMSS 2025-26 के सितारे

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

शुभकामना संदेश

प्रिय पाठकों,

हर्ष का विषय है कि **"NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा"** पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। यह पत्रिका मेधावी विद्यार्थियों की संघर्षपूर्ण यात्रा, उनकी मेहनत, समर्पण और उपलब्धियों का प्रेरणादायी दस्तावेज है।

राष्ट्रीय आय एवं मेधा आधारित छात्रवृत्ति योजना **(NMMSS)** जैसी महत्वपूर्ण योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के होनहार बच्चों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। यह न केवल उन्हें शैक्षिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी जागृत करती है।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति और अधिक समर्पित होने की प्रेरणा देगी तथा शिक्षक समाज के लिए भी यह एक उपयोगी मार्गदर्शिका सिद्ध होगी। जो बच्चे आज संघर्ष कर रहे हैं, वही कल देश के भविष्य को रोशन करेंगे।

मैं इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए **Teachers of Bihar** के सभी साथियों, संपादक मंडल तथा उन सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएऐं देता हूं, जिनकी सफलता की कहानियों इस पत्रिका को प्रेरणादायी बना रही हैं।

ईश्वर से प्रार्थना है कि यह पत्रिका अनवरत प्रकाशित होती रहे और अधिक से अधिक बच्चों के जीवन में प्रेरणा और सकारात्मकता का संचार करती रहे।

सादर शुभकामनाओं सहित,

श्री कुमार अरविंद सिन्हा

(बि. शि. से.)

जिला शिक्षा पदाधिकारी

मुजफ्फरपुर

NMMSS 2025-26 के सितारे

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

शुभकामना संदेश

प्रिय पाठको,

मुझे अत्यंत प्रसनता है कि **“NMMSS 2025-26 के सितारें – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा”** पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। यह पत्रिका न केवल मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों का दस्तावेज है, बल्कि उनके संघर्ष, समर्पण और सफलता की प्रेरणादायक कहानियों का सुंदर संकलन भी है।

राष्ट्रीय आय एवं मेधा आधारित छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) का मुख्य उद्रेश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायता प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है। हमारे जिले के बच्चों ने निरंतर परिश्रम और लगन से उत्कृष्ट्र प्रदर्शन कर यह सिद्ध किया है कि अवसर और मार्गदर्शन मिलने पर वे किसी भी ऊँचाई को प्राप्त कर सकते हैं।

यह पत्रिका विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और उत्कृष्टता की भावना का संचार करेगी। साथ ही, यह शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी, जिससे हम सब मिलकर शिक्षा की गुणवत्ता को और सशक्त कर सकें।

मैं टीचर्स ऑफ बिहार के इस सराहनीय प्रयास के लिए साधुवाद देता हूँ तथा उन सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, संपादक मंडल एवं सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ, जिनके अथक प्रयास से यह प्रकाशन संभव हो पाया है।

आशा है यह पत्रिका विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देगी और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

सादर शुभकामनाओं सहित,

श्री सुजीत कुमार दास

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

प्रा. शि. एवं सर्व शिक्षा अभियान

मुजफ्फरपुर

शुभकामना संदेश

प्रिय पाठकों,

"NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" पत्रिका का प्रकाशन अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। यह पत्रिका उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों का प्रेरणादायी दस्तावेज है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है।

राष्ट्रीय आय एवं मेधा आधारित छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उन्हें गुणवतापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का अवसर प्रदान करती है। ऐसे विद्यार्थियों की सफलता की कहानियों का संकलन निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका में प्रकाशित प्रत्येक अनुभव विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, निरंतर परिश्रम तथा उत्कृष्टता के प्रति समर्पण की भावना विकसित करेगा। साथ ही यह शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु और अधिक प्रतिबद्ध होकर कार्य करने की प्रेरणा देगा।

Teachers of Bihar द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किया गया यह अभिनव एवं सराहनीय प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय है। मैं इस महत्वपूर्ण पहल से जुड़े सभी शिक्षकों, संपादक मंडल, सहयोगियों तथा सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं देता हूँ।

मेरी शुभकामनाऐं हैं कि "NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" पत्रिका आने वाले वर्षों में भी शिक्षा, प्रेरणा और उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को स्पर्श करती रहे तथा हजारों विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ाने देने का माध्यम बने।

सादर शुभकामनाओं सहित,

श्री राजन कुमार
जिला शिक्षा पदाधिकारी
पश्चिमी चंपारण

शुभकामना संदेश

प्रिय पाठकों,

"NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" पत्रिका का प्रकाशन अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है। यह पत्रिका केवल विद्यार्थियों की उपलब्धियों का संकलनन नहीं, बल्कि उनके अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प और सफलता की प्रेरणादायी यात्रा का जीवंत दस्तावेज है।

राष्ट्रीय आय एवं मेधा आधारित छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान करती है। ऐसे में इस प्रकार का प्रकाशन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा जगाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में प्रकाशित सफलता की कहानिंयों विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देंगी। साथ ही यह शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु और अधिक समर्पित होकर कार्य करने का उत्साह प्रदान करेगी।

Teachers of Bihar द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किया जा रहा यह नवाचारी एवं प्रेरणादायी प्रयास अत्यंत सराहनीय है। मैं इस महत्वपूर्ण पहल से जुडे सभी शिक्षकों, संपादक मंडल, सहयोगियों तथा सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं देता हूँ।

मेरी शुभकामनाऐं हैं कि **"NMMSS 2025-26 के सितारे"** पत्रिका आने वाले बर्षों में भी हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई मिसाल स्थापित करती रहे।

सादर शुभकामनाओं सहित,

श्री प्रवीण कुमार प्रभात
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
(माध्यमिक शिक्षा)
गोपालगंज, बिहार

शुभकामना संदेश

प्रिय पाठकों,

"NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" पत्रिका का प्रकाशन शिक्षा के क्षेत्र में एक अत्यंत प्रेरणादायी एवं सराहनीय पहल है। यह पत्रिका उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के संघर्ष, समर्पण, आत्मविश्वास एवं सफलता की प्रेरक गाथाओं का सशक्त संकलन है, जो असंख्य विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगी।

राष्ट्रीय आय एवं मेधा आधारित छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। यह योजना न केवल उन्हें आर्थिक सहयोग देती है, बल्कि उनके भीतर बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का आत्मविश्वास भी जगाती है। इस पत्रिका में संकलित अनुभव निश्चित रूप से विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, अनुशासन, परिश्रम एवं उत्कृष्टता के प्रति समर्पण की भावना विकसित करेंगे।

मुझे विश्वास है कि यह प्रकाशन विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगा। सफल विद्यार्थियों की प्रेरक यात्राएँ अन्य बच्चों को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित होकर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करेंगी तथा शिक्षा के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करेंगी।

Teachers of Bihar द्वारा विद्यार्थियों की सफलता की कहानियों को एक मंच प्रदान करने का यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है। मैं इस महत्वपूर्ण पहल से जुड़े सभी शिक्षकों, संपादक मंडल, सहयोगियों एवं सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं देता हूँ।

मेरी हार्दिक शुभकामनाऐं हैं कि "NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" पत्रिका भविष्य में भी शिक्षा, प्रेरणा और नवाचार का सशक्त माध्यम बनकर हजारों विद्यार्थियों को सफलता के पथ पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करती रहे।

सादर शुभकामनाओं सहित,

श्री अभिजीत कुमार
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
(माध्यमिक शिक्षा)
सिवान, बिहार

शुभकामना संदेश

प्रिय पाठकों,

"NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" पत्रिका का प्रकाशन अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। यह पत्रिका उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों का प्रेरणादायी दस्तावेज है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है।

राष्ट्रीय आय एवं मेधा आधारित छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उन्हें गुणवतापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का अवसर प्रदान करती है। ऐसे विद्यार्थियों की सफलता की कहानियों का संकलन निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका में प्रकाशित प्रत्येक अनुभव विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, निरंतर परिश्रम तथा उत्कृष्टता के प्रति समर्पण की भावना विकसित करेगा। साथ ही यह शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु और अधिक प्रतिबद्ध होकर कार्य करने की प्रेरणा देगा।

Teachers of Bihar द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किया गया यह अभिनव एवं सराहनीय प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय है। मैं इस महत्वपूर्ण पहल से जुड़े सभी शिक्षकों, संपादक मंडल, सहयोगियों तथा सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं देता हूँ।

मेरी शुभकामनाऐं हैं कि **"NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा"** पत्रिका आने वाले वर्षों में भी शिक्षा, प्रेरणा और उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को स्पर्श करती रहे तथा हजारों विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ाने देने का माध्यम बने।

सादर शुभकामनाओं सहित,

श्री मनोज कुमार बोस
खंड शिक्षा अधिकारी
विकासखंड ठाकुरद्वारा

शुभकामना संदेश

प्रिय पाठकों,

"NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" पत्रिका का प्रकाशन अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। यह पत्रिका उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों का प्रेरणादायी दस्तावेज है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है।

राष्ट्रीय आय एवं मेधा आधारित छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उन्हें गुणवतापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का अवसर प्रदान करती है। ऐसे विद्यार्थियों की सफलता की कहानियों का संकलन निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका में प्रकाशित प्रत्येक अनुभव विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, निरंतर परिश्रम तथा उत्कृष्टता के प्रति समर्पण की भावना विकसित करेगा। साथ ही यह शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु और अधिक प्रतिबद्ध होकर कार्य करने की प्रेरणा देगा।

Teachers of Bihar द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किया गया यह अभिनव एवं सराहनीय प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय है। मैं इस महत्वपूर्ण पहल से जुड़े सभी शिक्षकों, संपादक मंडल, सहयोगियों तथा सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं देता हूँ।

मेरी शुभकामनाऐं हैं कि "NMMSS 2025-26 के सितारे – संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा" पत्रिका आने वाले वर्षों में भी शिक्षा, प्रेरणा और उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को स्पर्श करती रहे तथा हजारों विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ाने देने का माध्यम बने।

सादर शुभकामनाओं सहित,

संतोष कुमार खरे
सहायक शिक्षक
Composite School Barha
Lalorikhera, Pilibhit, Uttar Pradesh
(State Teacher Award)

NMMSS 2025-26 के सितारे

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

RESULT ANALYSIS

RESULT DECLARED
06 JULY 2026

EXAM DATE	TOTAL QUALIFIED	TOTAL DISTRICTS
11 MARCH 2026	5,433 STUDENTS	38

HIGHEST MARKS	AVERAGE MARKS	MEDIAN MARKS	HIGHEST MAT SCORE	HIGHEST SAT SCORE
163/180	117.39	117	87	87

TOP 10 DISTRICTS
(BASED ON AVERAGE TOTAL MARKS)

RANK	DISTRICT	STUDENTS	AVG MARKS	HIGHEST SCORE
1	BEGUSARAI	162	131.33	163
2	SHEIKHPURA	28	130.21	145
3	KHAGARIA	68	129.18	155
4	SAHARSA	105	126.81	157
5	SHEOHAR	24	125.88	161
6	SAMASTIPUR	216	124.87	154
7	LAKHISARAI	73	124.18	143
8	BHOJPUR	189	122.24	159
9	NALANDA	198	120.86	152
10	ARWAL	48	120.31	143

Begusarai emerged as the best-performing district with ***highest average marks*** and ***highest score!***

DISTRICTS WITH HIGHEST NUMBER OF SELECTED STUDENTS

RANK	DISTRICT	STUDENTS
1	PATNA	317
2	MUZAFFARPUR	271
3	SARAN	239
4	MADHUBANI	238
5	PURBI CHAMPARAN	234
6	SIWAN	233
7	SAMASTIPUR	216
8	GAYA	213
9	ROHTAS	209
10	NALANDA	198

Patna leads in the number of merit list selections with **317** successful students.

BIHAR STATE TOP 10 RANKERS

STATE RANK	STUDENT NAME	DISTRICT	MAT	SAT	TOTAL
1	ANSH KUMAR BIHARI	BEGUSARAI	85	78	163
2	SUBHASH KUMAR	SHEOHAR	84	77	161
3	KANHAIYA KUMAR	BEGUSARAI	84	75	159
4	ANUBHAV KUMAR SINGH	BHOJPUR	82	77	159
5	AYUSH KUMAR	BEGUSARAI	87	71	158
6	MIKKI KUMARI	BEGUSARAI	85	72	157
7	PREM BHARTI	SAHARSA	70	87	157
8	RAJNEET RAJ	SAHARSA	70	86	156
9	BAVISYA RAJ	SUPAUL	85	70	155
10	NIDHI KUMARI	KHAGARIA	83	72	155

EXCELLENCE AWARDS

- BEST OVERALL DISTRICT
  BEGUSARAI
- HIGHEST SCORER DISTRICT
  BEGUSARAI (163)
- MOST MERIT LIST STUDENTS
  PATNA (317)
- BEST SMALL DISTRICT PERFORMANCE
  SHEOHAR
- BEST EMERGING DISTRICT
  KHAGARIA

PERFORMANCE INSIGHTS

STRONG ACADEMIC REGIONS
Begusarai, Khagaria, Saharsa, Samastipur, Bhojpur

HIGH PARTICIPATION REGIONS
Patna, Muzaffarpur, Saran, Madhubani, East Champaran

MAT VS SAT TREND
Highest MAT Score: 87 | Highest SAT Score: 87
Top rankers scored balanced marks in both sections.
Exceptional SAT performers emerged from Saharsa.

SCHOOL SPOTLIGHT

SCHOOL OF STATE TOPPER
GMS MOHANPUR (BEGUSARAI)
Proud to produce State Rank 1 and State Rank 3

OTHER NOTABLE SCHOOLS

- M.S. MADHOPUR CHHATA (Sheohar)
- BOYS M.S. BARKA GAON (Bhojpur)
- B.P.S. HIGH SCHOOL, BIRPUR (Begusarai)
- MS JORI (Saharsa)

Heartiest Congratulations to all the successful students!

Keep learning, Keep growing, and Keep shining!

Wishing you all a **BRIGHT FUTURE AHEAD!**

Shivendra Prakash Suman

NMMSS 2025-26 के सितारें

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

एक अभियान, एक संकल्प, एक सफलता की कहानी

> जब शिक्षक ठान लें, तो शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि हर उस बच्चे तक पहुँचती है जो सपने देखने का साहस रखता है।

टीचर्स ऑफ बिहार

- एकजुट शिक्षक मजबूत समाज
- सही मार्गदर्शन उज्ज्वल भविष्य
- ज्ञान का प्रसार समाज का विकास
- हर बच्चे तक अवसर हर सपने को साकार
- मेहनत, मार्गदर्शन और सफलता

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में National Means-cum-Merit Scholarship Scheme (NMMSS) को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचाने का संकल्प टीचर्स ऑफ बिहार ने एक जन-आंदोलन का रूप दिया। उद्देश्य केवल परीक्षा में आवेदन बढ़ाना नहीं था, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर, मेधावी विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराना था।

प्रेरणा की शुरूआत – फेसबूक लाइव टॉक शो

अभियान की शुरूआत फेसबूक लाइव पर आयोजित प्रेरक टॉक शो से हुई, जहां शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को NMMSS परीक्षा के महत्व से अवगत कराया गया।

एग्जाम सेल का गठन

इसके बाद टीचर्स ऑफ बिहार NMMSS एग्जाम सेल का गठन किया गया, जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों के ऊर्जावान और समर्पित शिक्षक शामिल हुए।

जागरूकता का व्यापक अभियान

पोस्टर, व्हाट्सएप संदेश, सोशल मीडिया अभियान तथा अन्य डिजिटल माध्यमों से पूरे बिहार में जागरूकता फैलायी गई और अधिक से अधिक बच्चों को NMMSS में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया गया।

रजिस्ट्रेशन को आसान बनाना

NMMSS पंजीकरण के आसान स्टेपस की PPT तैयार की गई और विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों तक पहुँचाई गई, जिससे बड़ी संख्या में बच्चों का सफल पंजीकरण हुआ।

तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण संसाधन

हमारी वेबसाइट som.teachersofbihar.org पर अध्ययन सामग्री, मॉडल पेपर और उपयोगी कंटेंट उपलब्ध कराया गया तथा इसे विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुँचाया गया।

प्रेरणा और उत्साह – NMMSS Photo of the Day

विद्यार्थियों का उत्साह बनाए रखने के लिए फेसबूक ग्रुप पर "NMMSS Photo of the Day" अभियान चलाया गया।

लाइव क्लासेस के माध्यम से मार्गदर्शन

यूट्युब के माध्यम से नियमित लाइव कक्षाएं आयोजित कर विद्यार्थियों को बेहतर तैयारी हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

टीचर्स ऑफ बिहार के एग्जाम सेल के अथक प्रयास से इस वर्ष (2025-26) बिहार से रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों ने NMMSS के लिए आवेदन किया तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

इन्हीं प्रेरणादायक सफलताओं को संजोने का एक विनम्र प्रयास है यह पत्रिका। आइए, इन कहानियों से प्रेरणा लेकर अगले वर्ष और भी अधिक बच्चों को NMMSS की इस सुनहरी यात्रा से जोड़ें।

हमारा संकल्प – हर बच्चा आगे बढ़े, हर सपना साकार हो!

मीडिया कवरेज

जन-जन तक पहुँची एक प्रेरक पहल की गूंज

NMMSS 2026 के रिकॉर्ड आवेदन ने पूरे बिहार में शिक्षा के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा (NMMSS) 2026 में बिहार से रिकॉर्ड आवेदन

सीमांचल उदय प्रतिनिधि

पटना। राज्य में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने वाली राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) 2026 के लिए इस वर्ष बिहार से रिकॉर्ड आवेदन सामने आए हैं। इस वर्ष लगभग 85,000 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना माना जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय मंच टीचर्स ऑफ बिहार के एग्जाम सेल और राज्यभर के समर्पित शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन, जागरूकता अभियान तथा ऑनलाइन तैयारी कार्यक्रमों का यह सकारात्मक परिणाम माना जा रहा है। शिक्षकों ने विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरित किया। साथ ही मॉक टेस्ट, अध्ययन सामग्री और नियमित मार्गदर्शन के माध्यम से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाया। यही कारण है कि इस बार बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

सर्वाधिक आवेदन वाले जिले: इस वर्ष आवेदन के मामले में कई जिलों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है–

बेगूसराय - 5202
समस्तीपुर- 5080
गोपालगंज -4658
मुजफ्फरपुर - 4053
मधुबनी-4040

इन जिलों के शिक्षकों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान और नियमित तैयारी सत्रों का सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों की भागीदारी में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक पहल: टीचर्स ऑफ बिहार के एग्जाम सेल द्वारा विद्यार्थियों को सही दिशा में मार्गदर्शन देने, परीक्षा की तैयारी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तथा शिक्षकों को जोड़कर एक सशक्त शैक्षणिक वातावरण बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। शिक्षा विशेषज्ञों का

85 हजार विद्यार्थियों ने भरा फॉर्म, शिक्षकों के प्रयास से दोगुनी हुई भागीदारी

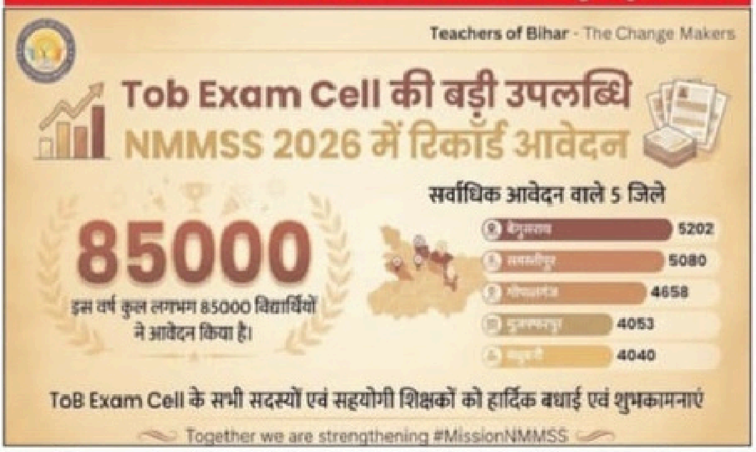

मानना है कि इस प्रकार के सामूहिक प्रयास से न केवल छात्रवृत्ति परीक्षाओं में भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण और सरकारी विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा।

एग्जाम सेल के सक्रिय शिक्षक: टीचर्स ऑफ बिहार एग्जाम सेल से जुड़े सक्रिय शिक्षकों में पप्पु कुमार पंकज (मुजफ्फरपुर), पृथ्वीराज सिंह (गोपालगंज), कुमार अभिषेक (मुजफ्फरपुर), कृष्णकांत तिवारी (भोजपुर), शुभी श्रीवास्तव (मुजफ्फरपुर), शुभम कुमार (मुजफ्फरपुर), मनीष कुमार (गोपालगंज), निवेदिता रानी (मुजफ्फरपुर) एवं प्रताप कुमार (सिवान) शामिल हैं, जिनके प्रयास से विद्यार्थियों को निरंतर मार्गदर्शन मिल रहा है।

प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रदेश मीडिया संयोजक ने दी जानकारी: इस संबंध में जानकारी देते हुए टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि शिक्षकों की जागरूकता और विद्यार्थियों की मेहनत के कारण इस वर्ष टटटटर परीक्षा के लिए रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी इसी तरह के प्रयासों के माध्यम से राज्य के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास जारी रहेगा। टीचर्स ऑफ बिहार के एग्जाम सेल के सभी सदस्यों, सहयोगी शिक्षकों और जागरूक विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

प्रातः संकल्प नई दिल्ली, बुधवार 11 मार्च 2026 | 6

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2026 : बिहार में प्रतिभा का विस्फोट, 85 हजार छात्रों ने भरा आवेदन

टीचर्स ऑफ बिहार के अभियान से बढ़ी जागरूकता.... कई जिलों में रिकॉर्ड भागीदारी... छात्रवृत्ति के लिए बढ़ा छात्रों का उत्साह

सहरसा आसपास/ सीमांचल | नई दिल्ली बुधवार 11 मार्च, 2026 | 7

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2026 : बिहार में प्रतिभा का विस्फोट, 85 हजार छात्रों ने भरा आवेदन

"टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों और सहयोगियों को

हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन!"

Together we are strengthening #MissionNMMSS

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक : ग्रामीण शिक्षा में नवाचारी हस्तक्षेप

पृथ्वीराज सिंह (शिक्षक)

वर्तमान : सर्वोदय मध्य विद्यालय, रामगढ़ा, दरौंदा, सिवान (बिहार)

पूर्व : उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भटवलिया, मांझा, गोपालगंज (बिहार)

"सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण परिवेश का प्रत्येक बच्चा अपनी प्रतिभा से नई ऊंचाईयों छू सकतहै"

भूमिका (Introduction)

17 फरवरी 2014 से सेवा प्रारंभ करने के पश्चात अनुभव हुआ कि विद्यालय के अधिकांश विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर NMMSS, के प्रति जागरूक नहीं थे। आर्थिक एवं सामाजिक कारणों से अनेक विद्यार्थी बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते थे तथा बालिकाओं की शिक्षा विशेष रूप से प्रभावित होती थी।

इन चुनौतिंयों के समाधान हेतु **"पढ़ाई से प्रतियोगिता तक"** नामक एक नवाचारी पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना तथा उनके आत्मविश्वास एवं प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टिकोण को सशक्त बनाना था।

नवाचारी पहल एवं कार्य (Innovative Practices)

- रूचिकर एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण वातवरम का निर्माण
- सप्ताह में दो दिन सफेद ड्रेस एवं अन्य दिनों में आसमानी नीला ड्रेस कोड लागू
- निजी विद्यालयों की तर्ज पर बेल्ट, टाई एवं आई-कार्ड व्यवस्था
- विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति एवं ठहराव (Retention) पर विशेष ध्यान

"पढ़ाई से प्रतियोगिता तक" मुहिम (2022 से)

- प्रतियोगी परीक्षाओं की नियमित जानकारी एवं जागरूकता
- प्रतिदिन चेतना सत्र में मार्गदर्शन
- विशेष कक्षाऐं एवं अध्ययन सामग्री
- विद्यार्थियों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं प्रेरणा

उपलब्धियों एवं डेटा (Data-Based Achievements)

1 नामांकन (Enrollment)

वर्ष	विद्यार्थियों की संख्या
2023–24	305
2024–25	292
2025–26	304

2 उपस्थिति (Attendance)

वर्ष	औसत उपस्थिति
2023	65%
2024	67%
2025	70%

3 100% उपस्थिति वाले विद्यार्थी

औसत : 26 विद्यार्थी

4 प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता

NMMSS परीक्षा परिणाम

2022 : 01 विद्यार्थी
2023 : 02 विद्यार्थी
2024 : 07 विद्यार्थी
2025 : 02 विद्यार्थी

→ यह निरंतर वृद्धि इस पहल की प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

5 राज्य एवं अन्य प्रतियोगिताओं में उपलब्धियाँ

- 2022 : तरंग (क्रॉसवर्ड एवं पेंटिंग) – प्रखंड स्तर – 02
- 2022 : तरंग – प्रमंडल/राज्य स्तर – 01
- 2024 : हिंदी दिवस – जिला स्तर – 01
- 2025 : मशाल (खेल) – प्रखंड स्तर – 07

स्थानांतरण (12 जनवरी) के उपरांत भी इस पहल को नए विद्यालय में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है, जो इसकी स्थायित्व एवं विस्तार क्षमता को दर्शाता है।

प्रमुख सफल विद्यार्थी

- **2023** : मजहरूल हक
- **2024** : रेशमी कुमारी, कर्ण कुमार
- **2025** : आकांक्षा कुमारी, नंदनी कुमारी, कृपा कुमारी, दीपक कुमार, एसरार अंसारी, संजीव कुमार
- **2026** : शिल्पी कुमारी, संजना कुमारी

केस स्टडी एवं छात्र उपलब्धियाँ

केस स्टडी – 1

आकांक्षा कुमारी (2025)

आकांक्षा कुमारी आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से संबंधित थी और पढ़ाई छोड़ने की स्थिति में थी। पढ़ाई से प्रतियोगिता तक मुहिम के अंतर्गत उसे मार्गदर्शन एवं संसाधन उपलब्ध कराए गए जिसके परिणाम स्वरुप उसने NMMSS 2025-26 के परीक्षा में सफलता प्राप्त की। आज वह अपनी शिक्षा निरंतर जारी रखते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन चुकी है।

केस स्टडी – 2

नंदनी कुमारी (2025)

नंदनी कुमारी सामाजिक कारणों से कक्षा 8 के बाद पढ़ाई छोड़ने की स्थिति में थी, उचित मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के माध्यम से उसने NMMSS 2025-26 के परीक्षा में सफलता प्राप्त की और अब वह उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर है।

प्रभाव एवं परिवर्तन (Impact & Transformation)

- विद्यालय में नामांकन में वृद्धि
- ड्रॉप-आउट दर में उल्लेखनीय कमी
- बालिका शिक्षा को सशक्त बढ़ावा
- विद्यार्थियों में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूकता
- आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने का अवसर
- विद्यालय का सामाजिक सम्मान बढ़ा

निष्कर्ष (Conclusion)

"पढ़ाई से प्रतियोगिता तक" पहल यह सिद्ध करती है कि समर्पण, नवाचार एवं सतत प्रयास के माध्यम से ग्रामीण विद्यालयों में भी उत्कृष्ट शैक्षिक वातवरण विकसित किया जा सकता है। यह पहल एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में उभरी है, जिसे अन्य विद्यालयों में भी लागू किया जा सकता है।

Statement of Purpose

मेरा दृढ़ विश्वास है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण परिवेश का प्रत्येक बच्चा अपनी प्रतिभा से नई ऊँचाईयों छू सकता है। "पढ़ाई से प्रतियोगिता तक" के माध्यम से मेरा संकल्प है कि मैं शिक्षा को सशक्तिकरण का माध्यम बनाकर प्रत्येक विद्यार्थी को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सफल नागरिक बनाऊँ।

संकल्पकर्ता का विवरण पृथ्वीराज सिंह (शिक्षक)

सर्वोदय मध्य विद्यालय, रामगढ़ा, दरौंदा, सिवान (बिहार)

पूर्व – उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भटवलिया, मांझा, गोपालगंज (बिहार)

9838106475

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

लेखक : श्री अवधेश कुमार
प्रधानाध्यापक,
मध्य विद्यालय दरगाहीगंज, नरपतगंज,
अररिया (बिहार)

> "कौन कहता है आसमाँ में सुराख नहीं हो सकता,
> एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों।
> – दुष्यंत कुमार"

NMMSS अभ्यर्थियों के साथ मार्गदर्शन सत्र के दौरान प्रधानाध्यापक श्री अवधेश कुमार।

निरंतर सफलता की कहानी

शिक्षा केवल पुस्तकों का ज्ञान नहीं, बल्कि उन सपनों को साकार करने का माध्यम है जो सीमित संसाधनों के बीच पलते हैं। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) ऐसे ही प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए आशा की किरण है जो प्रतिभा तो रखते हैं, परंतु संसाधनों की कमी से जूझते हैं।

वर्ष 2019 से 2026 तक मध्य विद्यालय दरगाहीगंज के लगभग 70 विद्यार्थियों ने NMMSS परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। यह आँकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास, समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयासों की प्रेरक गाथा है।

वर्ष 2026 में भी हमारे विद्यालय के 10 विद्यार्थियों ने सफलता का परचम लहराया है, जो हमारी सतत यात्रा की नई उड़ान है।

सफलता का वास्तविक अर्थ

हमारे विद्यालय से चयनित अधिकांश विद्यार्थी आज उच्च माध्यमिक, स्नातक, इंजीनियरिंग, मेडिकल तथा अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं। छात्रवृत्ति के माध्यम से प्राप्त आर्थिक सहायता ने उनकी पढ़ाई को निरंतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इन विद्यार्थियों में से कई ने आगे चलकर इंजीनियरिंग, मेडिकल तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। वे अब तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, शिक्षा और प्रशासनिक सेवाओं की दिशा में अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

शिक्षा वह दीप है जो केवल एक जीवन को नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी प्रकाशित करता है।

मेधा छात्रवृत्ति	कन्या आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा	नवोदय विद्यालय	BHU	अन्य विधा
51	21	01	01	10

हमारी सफलता की आधारशिला: सही पहचान और सही दिशा

प्रतिभा की पहचान, सही मार्गदर्शन और लक्ष्य का महत्व समझाना हमारी सफलता की पहली सीढ़ी है। विद्यार्थियों को यह बताया जाता है कि यह छात्रवृत्ति उनके जीवन को किस प्रकार बदल सकती है।

हमारी रणनीति – सफलता की कुंजी

वर्षभर चलने वाली सुनियोजित तैयारी
NMMSS की तैयारी को वर्षभर एक निरंतर प्रक्रिया के रूप में चलाया जाता है ताकि बच्चों का आत्मविश्वास मजबूत बने।

छुट्टियों को अवसर में बदलना
अवकाश के दिनों में विशेष अभ्यास सत्र आयोजित कर बच्चों में प्रतिस्पर्धी सोच व आत्मविश्वास विकसित किया जाता है।

ऑनलाइन एवं ऑफलाइन शिक्षण का समन्वय
प्रत्यक्ष कक्षाओं के साथ-साथ ऑनलाइन मार्गदर्शन की व्यवस्था जिससे दूर-दराज के विद्यार्थी भी जुड़े रहें।

सरल, सहज और वैज्ञानिक शिक्षण शैली
कठिन विषयों को सरल भाषा में समझाया जाता है और समझ, तर्क व विश्लेषण की क्षमता पर विशेष बल दिया जाता है।

प्रतिदिन एक घंटी रीजनिंग अभ्यास
कक्षा 8 के विद्यार्थियों को प्रतिदिन एक घंटी रीजनिंग की तैयारी कराई जाती है क्योंकि इस परीक्षा में रीजनिंग से 90 अंक के प्रश्न पुछे जाते हैं।

नियमित मूल्यांकन और फीडबैक
मॉडल टेस्ट, अभ्यास प्रश्नपत्र और फीडबैक से कमजोरियों की पहचान कर व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाता है।

व्यक्तिगत सहयोग और अभिभावकों की सहभागिता
समय-समय पर अभिभावकों से संवाद कर उन्हें बच्चों की तैयारी में सहयोग देने के लिए प्रेरित किया जाता है।

★ संघर्ष का परिणाम ★

पिछले आठ वर्षों की यह यात्रा यह सिद्ध करती है कि यदि शिक्षक समर्पित हों, विद्यार्थी लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हों और अभिभावकों का सहयोग प्राप्त हो, तो संसाधनों की कमी कभी भी सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। सही मार्गदर्शन मिलने पर ग्रामीण भारत की प्रतिभाएँ भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। हमारा लक्ष्य है – आत्मनिर्भर, जागरूक और सक्षम नागरिक तैयार करना जो देश और समाज के विकास में योगदान दें।

★ संघर्ष जितना कठिन होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी। ★

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

मेरा नाम **संजना कुमारी** है। मैं सर्वोदय मध्य विद्यालय, रामगढ़ा, दरौंदा, सिवान की छात्रा हूँ। **NMMSS 2025-26** परीक्षा में सफलता प्राप्त करना मेरे लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है।

शुरुआत में यह परीक्षा मेरे लिए कठिन लगती थी, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं नियमित रुप से पढ़ाई करती थी और अपने कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देती थी। सफलता के लिए मैंने समय का सही उपयोग किया और लगातार अभ्यास किया।

मेरी इस सफलता का सबसे बड़ा श्रेय आदरणीय **पृथ्वी राज सिंह सर** और TOB Exam Cell को जाता है। सर ने मुझे हमेशा प्रेरित किया, सही दिशा दिखाई और परीक्षा की बेहतर तैयारी करने में मदद की। TOB Exam Cell द्वारा उपलब्ध कराए गए नोट्स, प्रैक्टिस सेट, मॉक टेस्ट और मार्गदर्शन ने मेरी तैयारी को मजबूत बनाया।

मैं अपने विद्यालय के सभी शिक्षकों, अपने माता-पिता और परिवार की भी आभारी हूँ, जिन्होंने हर कदम पर मेरा उत्साह बढ़ाया। उनके सहयोग और आशीर्वाद के बिना यह सफलता संभव नहीं थी।

मेरी यह सफलता केवल मेरी नहीं, बल्कि मेरे शिक्षकों, माता-पिता, पृथ्वी राज सिंह सर और TOB Exam Cell की मेहनत का परिणाम है। मैं भविष्य में भी इसी तरह मेहनत करके अपने विद्यालय, परिवार और समाज का नाम रोशन करना चाहती हूँ।

– संजना कुमारी

सर्वोदय मध्य विद्यालय, रामगढ़ा, दरौंदा, सिवान

NMMSS 2025-26

सफल छात्रा

> सपना वो नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपना वो है जो आपको सोने न दे।
> मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

सफलता के मंत्र

- नियमित अध्ययन और अभ्यास
- समय का सही प्रबंधन
- कमजोरियों पर विशेष ध्यान
- सही मार्गदर्शन और सकारात्मक सोच
- कभी हार न मानना

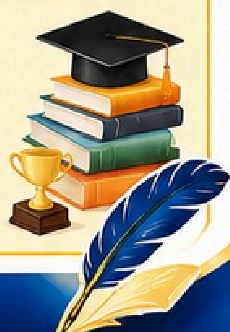

मेहनत आज की, सफलता कल की और सम्मान सदा के लिए।

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

★ सफलता की कहानी ★

आकांक्षा कुमारी
कक्षाः 9
विद्यालयः माधव उच्च माध्यमिक (+2) विद्यालय, मांझागढ़, गोपालगंज

🙏 आभार

मैं अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने आदरणीय शिक्षक पृथ्वी राज सर तथा Teachers of Bihar को देना चाहती हूँ, जिनके मार्गदर्शन, प्रेरणा और समर्पण ने मुझे आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान की।

"

डर से दृढ़ता तकः एक छात्रा की प्रेरक सफलता-यात्रा

🌞 प्रस्तावना

हर विद्यार्थी के जीवन में एक ऐसा मोड़ अवश्य आता है, जब उसे अपने भय और आत्मविश्वास के बीच चयन करना होता है। मेरे जीवन में भी ऐसा ही एक महत्वपूर्ण क्षण तब आया, जब मैं उ. म. वि. भटवलिया, मांझा में वर्ग 8 की छात्रा थी और मुझे NMMS 2025 परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

😨 प्रारंभिक चुनौतियाँ

प्रारंभ में यह परीक्षा मेरे लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण और भयावह प्रतीत होती थी। मुझे स्वयं पर विश्वास नहीं था कि मैं इसमें सफल हो पाऊँगी। इसी संकोच और भय के कारण मैंने इसकी तैयारी शुरू करने से भी दूरी बना ली। परंतु कहा जाता है कि सही समय पर मिला मार्गदर्शन जीवन की दिशा बदल सकता है।

👩‍🏫 प्रेरणा का स्रोत

मेरे शिक्षक, आदरणीय पृथ्वी राज सर, ने न केवल मेरी झिझक को समझा, बल्कि मुझे धैर्य और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। उनके उत्साहवर्धक शब्दों ने मेरे भीतर आत्मविश्वास की नई ज्योति प्रज्वलित की। उन्होंने मुझे सिखाया कि निरंतर परिश्रम और सकारात्मक सोच के बल पर किसी भी कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

📚 तैयारी और संघर्ष

इसके पश्चात मैंने अपने भय को पीछे छोड़ते हुए पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ अध्ययन प्रारंभ किया। विद्यालय में एकाग्र होकर पढ़ाई करने और घर पर नियमित अभ्यास करने से मेरी तैयारी मजबूत होती गई। इस दौरान अनेक कठिनाइयाँ आईं, किंतु मैंने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास दृढ़ होता गया और मैं परीक्षा के लिए पूर्णतः तैयार हो गई।

🏆 सफलता की उपलब्धि

जब परीक्षा का समय आया, तो मैंने पूरे आत्मविश्वास और एकाग्रता के साथ परीक्षा दी। परिणाम घोषित होने पर मुझे अपार हर्ष हुआ, क्योंकि मैंने अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही, इस परीक्षा में मैंने अपने प्रखंड में प्रथम स्थान तथा गोपालगंज जिला में 16वाँ स्थान प्राप्त किया।

💰 छात्रवृत्ति का महत्व

मेरी सफलता की यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं हुई। परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात भी मेरे शिक्षक ने मेरा निरंतर मार्गदर्शन किया। उन्होंने National Scholarship Portal (NSP) पर मेरा पंजीकरण कराने में सहयोग दिया, जिसके फलस्वरूप मुझे छात्रवृत्ति की प्रथम किस्त के रूप में 12,000 रुपये प्राप्त हुए।

यह छात्रवृत्ति मेरे लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि मेरे सपनों को साकार करने की दिशा में एक सशक्त आधार है। इसके माध्यम से मैं अपनी आगे की शिक्षा जारी रखते हुए अपने लक्ष्यों की ओर दृढ़तापूर्वक अग्रसर हो सकती हूँ।

"

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

★ सफलता की कहानी ★

विवेक कुमार नायक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कुसुम ब्रहण्डा, प्रखंड-दलसिंहसराय जिला-समस्तीपुर

"सपने तभी साकार होते हैं, जब उन पर विश्वास करने वाला एक शिक्षक और उन्हें पूरा करने का साहस रखने वाले विद्यार्थी साथ हों।"

“ **मैं**, विवेक कुमार नायक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कुसुम ब्रहण्डा, प्रखंड-दलसिंहसराय, जिला-समस्तीपुर में शिक्षक के रूप में कार्यरत हूँ। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में मैंने राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) परीक्षा के लिए पाँच विद्यार्थियों—गुलनाज प्रवीण, प्रियंका कुमारी, वसीम राजा, जीनत प्रवीण एवं प्रशांत कुमार—का चयन किया। मेरा उद्देश्य केवल उन्हें परीक्षा में शामिल कराना नहीं था, बल्कि उनकी प्रतिभा को एक नई पहचान दिलाना था।

इस कार्य की शुरुआत आसान नहीं थी। जब मैंने विद्यार्थियों को NMMSS के लिए तैयार करने का निर्णय लिया, तब कुछ लोगों ने इसे असंभव बताया। कुछ शिक्षकों ने भी मुझे हतोत्साहित करते हुए कहा कि "सरकारी विद्यालयों के बच्चे ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कहाँ सफल हो पाते हैं?" कुछ लोगों का मानना था कि ऐसे परिणाम केवल बड़े निजी विद्यालयों के छात्र ही ला सकते हैं। लेकिन मुझे अपने विद्यार्थियों की क्षमता और उनकी मेहनत पर अटूट विश्वास था। मैंने इन बातों को चुनौती के रूप में स्वीकार किया और पूरे समर्पण के साथ तैयारी आरम्भ कर दी।

विद्यालय समय के अतिरिक्त नियमित विशेष कक्षाएँ संचालित की गईं। विद्यार्थियों को मानसिक योग्यता परीक्षण (MAT) एवं शैक्षणिक योग्यता परीक्षण (SAT) के प्रश्नों का गहन अभ्यास कराया गया। प्रतिदिन पुनरावृत्ति, साप्ताहिक मूल्यांकन, मॉडल टेस्ट तथा व्यक्तिगत मार्गदर्शन के माध्यम से उनकी तैयारी को निरंतर सुदृढ़ किया गया। जहाँ भी किसी विद्यार्थी को कठिनाई हुई, वहाँ विशेष ध्यान देकर उसकी समस्या का समाधान किया गया।

धीरे-धीरे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ने लगा। जो बच्चे प्रारम्भ में कठिन प्रश्नों से घबराते थे, वे अब उन्हें सहजता से हल करने लगे। उनकी लगन, अनुशासन और निरंतर परिश्रम ने सफलता की मजबूत नींव तैयार कर दी।

परिणाम घोषित होने का दिन विद्यालय के इतिहास में स्वर्णिम क्षण बन गया। NMMSS परीक्षा में सम्मिलित सभी पाँचों विद्यार्थी सफल घोषित हुए। विद्यालय ने शत-प्रतिशत परिणाम (100% सफलता) प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा किसी संसाधन या विद्यालय की भव्यता की मोहताज नहीं होती। उचित मार्गदर्शन, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास के बल पर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी भी किसी से कम नहीं हैं।

यह सफलता केवल पाँच विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विद्यालय परिवार, अभिभावकों और उन सभी लोगों की सफलता है जिन्होंने इस यात्रा में सहयोग दिया। आज यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है तथा यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास ईमानदार हों, तो सफलता अवश्य मिलती है।

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो महसूस करता हूँ कि यदि उस समय हतोत्साहित करने वाली बातों को सच मान लिया होता, तो शायद यह सफलता नहीं मिलती। इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया कि सफलता विद्यालय की इमारत नहीं, बल्कि शिक्षक के मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की मेहनत से तय होती है।

🏆 उपलब्धि
5 में से 5 विद्यार्थी सफल — शत-प्रतिशत परिणाम (100%)
"जहाँ विश्वास, परिश्रम और समर्पण एक साथ चलते हैं, वहाँ सफलता स्वयं रास्ता बना लेती है।" 🌟📚🏆 ”

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

★ सफलता की कहानी ★

शिल्पी कुमारी

कक्षा - 8

रोल नं. - 14

विद्यालय - उत्क्रमित मध्य विद्यालय भटवालिया, मंझा गोपालगंज

"मैं शिल्पी कुमारी, कक्षा 8 की छात्रा हूँ। आज मैं यह पत्र अत्यंत हर्ष और भावुकता के साथ लिख रही हूँ। मैं एक साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आती हूँ। मेरे माता-पिता सीमित साधनों में भी मेरी पढ़ाई जारी रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। ऐसे में NMMS छात्रवृत्ति परीक्षा में मेरी सफलता मेरे परिवार के लिए किसी सपने के सच होने से कम नहीं है।

जब आपने पहली बार मुझे NMMS परीक्षा के बारे में बताया था, तब मुझे इसके बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं थी। आपने मुझे इस परीक्षा का महत्व समझाया और विश्वास दिलाया कि मेहनत और लगन से मैं भी सफलता प्राप्त कर सकती हूँ। आपके शब्दों ने मेरे मन में आत्मविश्वास जगाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

तैयारी के दौरान कई कठिनाइयाँ आईं। कभी संसाधनों की कमी महसूस हुई, तो कभी कठिन विषयों को समझने में परेशानी हुई। कई बार मैं निराश भी हो जाती थी, लेकिन आपने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया। आपने मुझे कभी हार न मानने की सीख दी और हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया।

जब NMMS परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ और मुझे सफलता मिली, तब मेरी आँखों में खुशी के आँसू आ गए। मुझे लगा कि मेरी मेहनत, मेरे माता-पिता के त्याग और आपके मार्गदर्शन का फल मिल गया है। यह सफलता केवल मेरी नहीं, बल्कि मेरे परिवार और आपके विश्वास की भी जीत है।

सर, आपने केवल एक शिक्षक का नहीं बल्कि एक मार्गदर्शक और अभिभावक का भी कर्तव्य निभाया है। आपकी शिक्षा, प्रेरणा और आशीर्वाद के लिए मैं जीवनभर आपकी आभारी रहूँगी। मैं वचन देती हूँ कि आगे भी पूरी मेहनत और ईमानदारी से पढ़ाई करूँगी तथा आपके और अपने विद्यालय का नाम रोशन करूँगी।

आपके प्रति हृदय से धन्यवाद एवं आभार।"

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

सफलता की कहानी

सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
मध्य विद्यालय बसमतिया
नरपतगंज, अररिया

"मध्य विद्यालय बसमतिया में मेरी नियुक्ति हुए उस समय लगभग 14-15 माह ही हुए थे। मेरे मन में एक दृढ़ इच्छा थी कि विद्यालय के बच्चों के लिए कुछ ऐसा किया जाए, जिससे वे प्रारम्भिक स्तर पर ही समझ सकें कि शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाएँ उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम बन सकती हैं।

मुझे आज भी जुलाई का वह महीना याद है, जब मैंने प्रधानाध्यापक महोदय से चर्चा करते हुए आग्रह किया कि मुझे कक्षा 8 के कुछ गंभीर एवं परिश्रमी विद्यार्थी चाहिए, जिन्हें मैं राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) परीक्षा की तैयारी करा सकूँ। उन्होंने बिना किसी विलम्ब के मेरे प्रस्ताव का समर्थन किया। चयनित विद्यार्थियों के अभिभावकों को विद्यालय बुलाया गया, उन्हें इस परीक्षा की महत्ता समझाई गई और इसके बाद नियमित तैयारी की शुरुआत हुई।

इस अभियान के प्रारम्भिक चरण में मुझे सकल सर का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने इसी विद्यालय से अपनी प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त की थी और वर्तमान में समीपस्थ सीआरसी के प्राथमिक विद्यालय भेरोगंज में कार्यरत हैं। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

समय के साथ तैयारी आगे बढ़ती रही। इसी दौरान विभिन्न राज्यों में NMMSS परीक्षा के आवेदन प्रारम्भ हो चुके थे। बच्चों में उत्सुकता भी बढ़ रही थी। कुछ बच्चे मुझसे पूछते थे, "सर, कई राज्यों में तो आवेदन की अंतिम तिथि भी निकल गई, फिर हम किस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं?" मैं उन्हें धैर्य रखने और मुझ पर विश्वास बनाए रखने की सलाह देता था। मैं कहता था, "हमारे राज्य में अभी आवेदन प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। समय आने पर सब कुछ होगा, बस तैयारी जारी रखो।"

बच्चों का उत्साह और समर्पण देखकर विद्यालय के कई अन्य शिक्षकों का सहयोग भी लगातार मिलता रहा। विशेष रूप से शशि सर, श्याम सर और संतोष सर का योगदान अविस्मरणीय है। यदि व्यक्तिगत रूप से कहूँ तो इस परीक्षा की तैयारी के लिए मैंने विद्यालय समय के अतिरिक्त लगभग 400 से 500 घंटे दिए। यही कारण था कि बच्चों की सफलता मेरे लिए केवल एक परिणाम नहीं, बल्कि मेरे समर्पण और परिश्रम का भी प्रतिफल थी।

आखिरकार वह समय भी आ गया, जब आवेदन पत्र, परीक्षा तिथि और अन्य आवश्यक जानकारियाँ बच्चों के सामने थीं। हमने अपनी मेहनत और अधिक बढ़ा दी। इसी दौरान TOB के माध्यम से मेरी मुलाकात एक ऐसे शिक्षक से हुई, जो धीरे-धीरे मेरे लिए केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बन गए। वे थे सिवान के प्रताप सर।

NMMSS परीक्षा की तैयारी में उन्होंने जिस प्रकार का सहयोग प्रदान किया, वह वास्तव में अनुकरणीय है। शायद ही कोई शिक्षक किसी दूसरे विद्यालय के बच्चों और शिक्षक के लिए इतना समर्पित होकर कार्य करता हो। उन्होंने अपने एक दशक से अधिक के अनुभव को हमारे साथ साझा किया और बच्चों के लिए अथक परिश्रम किया। इसके लिए मैं सदैव उनका ऋणी रहूँगा।

परीक्षा फॉर्म भरने से लेकर टेस्ट पेपर की व्यवस्था और एडमिट कार्ड डाउनलोड करने तक, जितने भी ऑनलाइन कार्य थे, उनमें संतोष सर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका योगदान भी कभी भुलाया नहीं जा सकता।

परीक्षा की तिथि अब बिल्कुल निकट थी। मुझे विश्वास था कि जितनी मेहनत बच्चों ने और हमने मिलकर की है, उसके आधार पर कम-से-कम 6 से 7 बच्चों की सफलता निश्चित है। तैयारी के अंतिम चरण में कई मॉक टेस्ट आयोजित किए गए। इसी दौरान हमारे प्रधानाध्यापक श्री भूपेन्द्र बैठा जी ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए घोषणा की कि जिन विद्यार्थियों का प्रदर्शन मॉक टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रहेगा, उन्हें परीक्षा केंद्र तक ले जाने का पूरा खर्च वे स्वयं वहन करेंगे। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि जो बच्चे इस परीक्षा में सफल होंगे, उन्हें वे अपनी ओर से कहीं घुमाने भी ले जाएंगे। यह उनके बच्चों के प्रति प्रेम, लगाव और समर्पण का सुंदर उदाहरण था।

परीक्षा से एक दिन पूर्व मैंने सभी विद्यार्थियों को एकत्रित कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा परीक्षा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण निर्देश विस्तार से समझाए। अगले दिन हम सभी परीक्षा केंद्र के लिए रवाना हुए। बच्चों के चेहरे पर उत्साह, आत्मविश्वास और उम्मीद स्पष्ट दिखाई दे रही थी।

हालाँकि तैयारी और मेहनत अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन परीक्षा का दबाव एक अलग चुनौती होती है। हमारे कुछ बच्चे इस दबाव को उतनी प्रभावी ढंग से संभाल नहीं सके। यही कारण रहा कि परिणाम मेरी अपेक्षा के अनुरूप नहीं आ सका। जिस विद्यार्थी, शिवम कुमार सोनी, ने लगभग सभी मॉक टेस्ट में सर्वोच्च प्रदर्शन किया था, वह इस परीक्षा में सफलता प्राप्त नहीं कर सका।

फिर भी, प्राची पल्लवी, श्वेता रानी और सूरज कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की और विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। जो बच्चे इस परीक्षा में सफल नहीं हो सके, उनके लिए भी मेरे मन में उतना ही सम्मान और स्नेह है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस तैयारी के दौरान उन्होंने जो ज्ञान, अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष करने की क्षमता अर्जित की है, वह उनके जीवन में आगे अवश्य सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

यदि कहीं कोई कमी रही होगी तो उसमें मेरे अनुभव और मार्गदर्शन की भी कुछ सीमाएँ रही होंगी। भविष्य में मैं उन कमियों को दूर करने का पूरा प्रयास करूँगा, ताकि आने वाले वर्षों में और अधिक विद्यार्थी इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकें। अंत में, मैं सभी सफल एवं असफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की हृदय से मंगलकामना करता हूँ। सफलता और असफलता जीवन की यात्रा के केवल पड़ाव हैं; वास्तविक महत्व निरंतर सीखने, प्रयास करने और आगे बढ़ते रहने में है।"

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

सफलता की कहानी

राजा बाबू सिंह
राजकीय बुनियादी विद्यालय
घोसरामा, बन्दरा,
मुजफ्फरपुर

भविष्य के छात्रों के लिए संदेश

मैं आने वाले विद्यार्थियों से कहना चाहता हूँ कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन करें, कक्षा में पढ़ाए गए विषयों को ध्यान से समझें तथा उनसे संबंधित प्रश्नों का अभ्यास करें। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों को अवश्य हल करें और अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन पर कार्य करें। यदि आप निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखेंगे, तो सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी।

पिछले वर्ष 6 छात्रों का चयन और इस वर्ष पुनः सफलता हमारे विद्यालय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारे विद्यालय के और अधिक छात्र NMMSS जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर विद्यालय, अभिभावकों और समाज का नाम रोशन करेंगे।

“ मैं राजा बाबू सिंह, राजकीय बुनियादी विद्यालय घोसरामा, बन्दरा, में गणित एवं विज्ञान शिक्षक के रूप में कार्यरत हूँ। NMMSS 2025-26 परीक्षा में हमारे विद्यालय के छात्र की सफलता मेरे लिए अत्यंत खुशी और गर्व का विषय है। पिछले वर्ष हमारे विद्यालय के 6 छात्रों का चयन हुआ था और इस वर्ष भी हमारे विद्यालय के छात्र ने सफलता प्राप्त कर यह साबित किया है कि सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास और दृढ़ संकल्प से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

तैयारी की रणनीति

मैं इस छात्र का वर्ग शिक्षक भी रहा हूँ। कक्षा 6 से ही मैंने बच्चों को गणित और विज्ञान विषयों की बुनियादी अवधारणाओं को समझाने पर विशेष ध्यान दिया। मेरा मानना है कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए आधार मजबूत होना आवश्यक है। जब छात्र कक्षा 8 में पहुँचे और NMMSS परीक्षा की तैयारी शुरू हुई, तब मैंने परीक्षा के पाठ्यक्रम और स्वरूप के अनुसार उनका नियमित मार्गदर्शन किया। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास कराया गया। विशेष रूप से रीजनिंग, सामाजिक विज्ञान, गणित और विज्ञान विषयों पर लगातार कार्य किया गया। विद्यालय की अंतिम खेल अवधि में अतिरिक्त कक्षाएँ संचालित की गईं ताकि बच्चों को अधिक समय और अभ्यास मिल सके। मेरा प्रयास रहा कि बच्चे केवल प्रश्नों के उत्तर याद न करें, बल्कि उनकी अवधारणाओं को समझकर प्रश्नों को हल करना सीखें।

चुनौतियाँ एवं उनका समाधान

हमारे अधिकांश छात्र आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं। कई बार अध्ययन सामग्री की कमी, संसाधनों का अभाव और विद्यालय में अनियमित उपस्थिति जैसी समस्याएँ सामने आती हैं। इन चुनौतियों के बावजूद बच्चों को निरंतर प्रेरित किया गया। विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अतिरिक्त अभ्यास कराया गया और बच्चों की शंकाओं का समय-समय पर समाधान किया गया।

सफलता में सहयोग देने वाले व्यक्तियों का योगदान

इस सफलता का श्रेय केवल एक व्यक्ति को नहीं जाता। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। मेरे सहकर्मी शिक्षकों का सहयोग सदैव प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने भी एक-दूसरे की सहायता करते हुए सकारात्मक अध्ययन वातावरण बनाया। अभिभावकों का सहयोग और बच्चों की मेहनत इस सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी रही। ”

“हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!”

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

सफलता की कहानी

RAHUL KUMAR

M.S.SRIPUR GAHAR
KHANPUR
SAMASTIPUR

"

सबसे पहले तो ' Teachers of Bihar ' के इस पहल को सलाम !

वर्षों पहले मैं भी एक सामान्य छात्र की तरह ही था और नौकरी पाने के जद्दोजहद में भागदौड़ कर रहा था और नियुक्ति पत्र मिलते ही लगा जिंदगी जीने की एक मकसद मिल गई।

सत्र बीतने के उपरांत जब नए सत्र की शुरुआत हुई और एक साथी शिक्षक ने NMMSS परीक्षा की चर्चा की, मैं उसका विस्तृत अध्ययन कर, फिर प्रयास में जुट गया ।

अनिवार्य शिक्षक प्रशिक्षण एवं वैश्विक corona महामारी में लगा अब जैसे सब कुछ समाप्त हो जायेगा।

उन मासूम चेहरों ने एक बार पुनः मुझे प्रेरित किया और उस वैश्विक आपदा के समय घर-घर जाकर परीक्षा से संबंधित तिथियां, तैयारी की समीक्षा और फिर व्हाट्सएप ग्रुप बनाना, पीडीएफ नोट्स साझा करना, और एंड्राइड मोबाइल न रहने पर हस्तलिखित कॉपी प्रदान करना, परिणाम आने के दिन व्हाट्सएप ग्रुप एवं फेसबुक पेज पर पोस्ट करना मानो मेरी दिनचर्या का हिस्सा हो गया, इस दौरान अपना करियर कहां पीछे छूट गया पता ना चला।

पुष्पम कुमार से शुरू यह सफर आदित्य, सचिन, आशीष, ब्यूटी, माधुरी, रौनक, अनुराग, अन्वी जैसे करीब 50 बच्चों ने सफलता प्राप्त कर एक शिक्षक के सपना को साकार करने का कार्य किया। बहुत बड़ा तो नहीं एक प्रयास जरूर कहा जा सकता है।

परिस्थितियां और चुनौती के बीच एक ही चीज जो हमें आत्मबल प्रदान करती है वह है बच्चों का प्यार, समर्थन, और सहयोग।

कर्तव्य पथ पर सफर अभी जारी है......... 🙏

"

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

★ सफलता की कहानी ★

Nandni Kumari
Madhav High School manjha garh, MANJHA GOPALGANJ

🎯 मेरा अनुभव

इस परीक्षा के अनुभव ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। अब मुझे कहीं भी जाने या किसी भी चुनौती का सामना करने में डर नहीं लगता।

मेरा मानना है कि यदि किसी छात्र को सही मार्गदर्शन देने वाला शिक्षक मिले, और साथ ही Teacher of Bihar एवं Exam Cell जैसे प्लेटफॉर्म का सहयोग प्राप्त हो, तो वह छात्र निश्चित रूप से सफलता प्राप्त कर सकता है।

“

💪 डर से दृढ़ता तक: एक छात्रा की सफलता यात्रा

मेरा नाम नन्दनी कुमारी है। मैं कक्षा 9 की छात्रा हूँ और माधव उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय, मांझागढ़ में अध्ययनरत हूँ। मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार से आती हूँ। मैं पाँच बहनों में से एक हूँ, इसलिए हमारे परिवार पर आर्थिक जिम्मेदारियाँ भी अधिक हैं।

जब मैं कक्षा 8 में उत्क्रमित मध्य विद्यालय भटवालिया में पढ़ती थी, तब मेरे शिक्षक महोदय श्री पृथ्वीराज सिंह ने मुझे छात्रवृत्ति परीक्षा के बारे में बताया। उस समय मुझे इस परीक्षा के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी। लेकिन उन्होंने मुझे समझाया कि यदि मैं प्रयास करूँ, तो मैं अवश्य सफल हो सकती हूँ। उनकी प्रेरणादायक बातों ने मेरे अंदर आत्मविश्वास जगाया और मैं परीक्षा देने के लिए तैयार हो गई।

मैं पढ़ाई में कमजोर थी, लेकिन मेरे शिक्षक ने कभी मुझे डांटा नहीं। उन्होंने मुझे पढ़ाई के आसान और महत्वपूर्ण प्रश्नों को बहुत सरल तरीके से समझाया। इसके साथ ही Teacher of Bihar प्लेटफॉर्म और Exam Cell द्वारा उपलब्ध कराई गई अध्ययन सामग्री, मार्गदर्शन और प्रश्नों ने मेरी तैयारी को और मजबूत बनाया। उनके सहयोग से मुझे सही दिशा और अभ्यास मिला।

📚 परीक्षा की तैयारी

परीक्षा की तैयारी विद्यालय में मेरे शिक्षक द्वारा कराई जाती थी, और घर पर मैं नियमित रूप से पढ़ाई करती थी। साथ ही, Teacher of Bihar और Exam Cell की सहायता से मुझे महत्वपूर्ण प्रश्न, अभ्यास सामग्री और परीक्षा की सही रणनीति समझने में मदद मिली। इससे मेरी पढ़ाई में धीरे-धीरे सुधार होने लगा।

जब परीक्षा का दिन आया, तो मुझे काफी डर और घबराहट हो रही थी। लेकिन परीक्षा केंद्र पर मेरे शिक्षक ने मुझे प्रोत्साहित किया, जिससे मेरा डर कम हो गया। उनके शब्दों से मुझे हिम्मत मिली और मैं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने गई।

मुझे विश्वास था कि मैं इस परीक्षा में सफल हो सकती हूँ। जब परिणाम घोषित हुआ, तो मैं बहुत खुश हुई क्योंकि मैंने परीक्षा पास कर ली थी।

इसके बाद मुझे यह नहीं पता था कि आगे क्या करना है। तब मेरे शिक्षक श्री पृथ्वीराज सिंह ने मेरा मार्गदर्शन किया और NSP (नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल) पर मेरा पंजीकरण करवाया। इसके परिणामस्वरूप मुझे 12,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

💰 छात्रवृत्ति के लाभ

इस छात्रवृत्ति से मुझे बहुत लाभ हुआ। पाँच बहनों वाले परिवार में पढ़ाई का खर्च उठाना आसान नहीं होता, इसलिए यह सहायता मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस राशि से मैं अपनी पढ़ाई की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती हूँ, जैसे– किताबें, कॉपियाँ आदि खरीदना।

”

“हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!”

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

★ सफलता की कहानी ★

Mohan Kumar

U. M. S GANGOI URDU

PAROO

MUZAFFARPUR

"

विद्यालय में शिक्षकों की कमी, परंतु मन में एक जुनून कि इस बार (2025-26) NMMS परीक्षा में पिछली बार (2024-25) से बेहतर परिणाम लाया जाए। कहानी शुरू होती है सत्र 2024- 25 के लिए NMMS परीक्षा के विज्ञप्ति निकलने के दौरान से। मेरे सामने जब विभागीय पत्र आया तो मुझे काफी प्रसन्नता हुई इसके बारे में जानकर। मुझे लगा कि ये तो बच्चों के लिए एक बेहतर अवसर है। इससे पहले मैं NMMS के बारे में नहीं जानता था।

मेरी बहाली नवंबर 2023 (TRE-1) में ही हुई थी। मैंने ठान लिया कि इस बार NMMS मे हमारे विद्यालय से कुछ बच्चों का रिजल्ट आना ही चाहिए । 1-2 बच्चे भी सफल होते हैं तो और बच्चों को प्रेरणा मिलेगी तथा धीरे-धीरे ये सिलसिला चल पड़ेगा ।

मैंने कुछ बच्चों का तैयार किया । उनके माता-पिता से बात किया गया। उनके डॉक्यूमेंट बनवाए । अंततः 7 बच्चों ने NMMS 2024-25 का परीक्षा फार्म भरा । फिर उसके बाद हमलोग परीक्षा की तैयारी में जुट गए । बच्चों को लगातार मार्गदर्शन तथा मोटिवेट किया । कभी- कभी निराशा भी होती थी परंतु अंततः 2 बच्चों ने सफलता हासिल की । विद्यालय के कुछ शिक्षक साथियों तथा प्रधानाध्यापक सर ने हमारे इस मिशन में हमारी मदद की ।

परीक्षा निकलने के बाद भी बच्चों के आगे के कार्यो के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा ।

इस बार रिटायरमेंट, स्थानांतरण तथा प्रोन्नति के कारण विद्यालय में हमलोग सिर्फ 4 शिक्षक ही रह गए थे। इसके बावजूद मैंने बच्चों को फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया, उन्हे तथा उनके माता-पिता को तैयार किया, तथा लगातार उन्हे मार्गदर्शन और प्रेरणा देता रहा। उन्हे पढ़ाता, डांट-फटकार लगाता तथा प्रेम से समझाता रहा।

उनके फार्म भरने से लेकर एडमिट कार्ड निकालने तक का काम मैंने खुद ही अपने फोन से किया।

काफी प्रयास के बाद भी इस बार सत्र 2025-26 मे 7 बच्चे ही परीक्षा में शामिल हो पाए। कुछ बच्चो के सफल होने की भी उम्मीद है। Model School merit list मे 2 बच्चों का रैंक अपने प्रखंड में Rank-50 के अंदर है।

कई प्रकार के बाधाओं को पार करते हुए लगातार मेहनत के बाद भी, मनोनुकूल परिणाम नहीं मिल रहा है परंतु मन में प्रसन्नता है और उम्मीद है कि ये कारवां अब बढ़ता रहेगा और आने वाले समय में बेहतर परिणाम देखने को मिलेगा।

💐 😊 🙏

"

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

सफलता की कहानी

LAL MOHAMMAD
PM Shri Hardeo Prasad
H.S. School Madhubani
Block & District:
MADHUBANI
PASHCHIM CHAMPARAN,

संघर्ष से सफलता तक: दीपक की चमक

बिहार के एक छोटे से गाँव में रहने वाले दीपक के पिता एक दिहाड़ी मजदूर थे। घर की आर्थिक स्थिति ऐसी थी कि कभी-कभी दो वक्त की रोटी भी मुश्किल से जुटती थी। दीपक पढ़ने में तेज था, लेकिन सही मार्गदर्शन और किताबों की कमी के कारण उसका हौसला डगमगाने लगा था। उसे लगता था कि गरीबी के कारण उसकी पढ़ाई 8वीं कक्षा के बाद छूट जाएगी।उसी गाँव के राजकीयकृत मध्य विद्यालय में एक नए शिक्षक, अमित सर, का ट्रांसफर हुआ। अमित सर ने दीपक की आँखों में पढ़ने की ललक और उसकी छुपी हुई प्रतिभा को पहचान लिया। उन्होंने दीपक को राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) के बारे में बताया और कहा, "दीपक, गरीबी तुम्हारी पढ़ाई के आड़े नहीं आ सकती। यह परीक्षा तुम्हें आगे बढ़ने का हौसला और सरकार से छात्रवृत्ति दिलाएगी।"दीपक के पास तैयारी के लिए अलग से किताबें खरीदने के पैसे नहीं थे। अमित सर ने खुद आगे बढ़कर अपनी जेब से उसके लिए जरूरी किताबें और प्रैक्टिस सेट खरीदे। वे हर दिन स्कूल खत्म होने के बाद दीपक को रोककर एक घंटा अलग से गणित और मानसिक योग्यता परीक्षा (MAT) की तैयारी करवाते थे।दीपक ने भी दिन-रात एक कर दिया। वह ढिबरी (मिट्टी के तेल के दीये) की मद्धम रोशनी में देर रात तक सवालों को हल करता था। जब भी वह थकता, अमित सर की कही बात याद करता, "तुम्हारी मेहनत ही तुम्हारी पहचान बनेगी।"आखिरकार परीक्षा का दिन आया और दीपक ने पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दी। जब परिणाम घोषित हुआ, तो दीपक ने न केवल परीक्षा पास की बल्कि पूरे जिले में शीर्ष स्थान हासिल किया। उसे आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति मिलनी तय हो गई थी।आज दीपक अपनी आगे की पढ़ाई बिना किसी आर्थिक तंगी के पूरी कर रहा है। अमित सर के सही मार्गदर्शन और दीपक के कड़े संघर्ष ने साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों और गुरु का साथ हो, तो सफलता हर हाल में कदम चूमती है।

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

★ सफलता की कहानी ★

Kripa Kumari
Madhav High School
manjha garh, MANJHA
GOPALGANJ

परीक्षा में अनुभव

मैं इस परीक्षा के माध्यम से बहुत कुछ सीखी हूँ, जिसे मैं अपने शब्दों में बयां नहीं कर सकती हूँ।

लेकिन मेरा अनुभव है कि जिस विद्यार्थी को एक अच्छा मार्गदर्शन देने वाला शिक्षक मिल जाता है तथा उस व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास हो, तो वह व्यक्ति कुछ भी कर सकता है।

“

मैं कृपा कुमारी वर्ग 9 की छात्रा हूं। मैं माधव उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय मांझा गढ़ में पढ़ती हूं।मैं एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूँ। जब मैं उत्क्रमित मध्य विद्यालय भटवालिया में कक्षा 8 में थी, तब मेरे शिक्षक महोदय पृथ्वीराज सिंह द्वारा राष्ट्रीय मेघा छात्रवृत्ति परीक्षा के बारे में बताया गया। इस परीक्षा के बारे में मुझे कुछ खास जानकारी नहीं थी। तब मेरे शिक्षक महोदय पृथ्वीराज सिंह ने मुझे समझाया कि आप कुछ भी कर सकती हैं और आगे की बहुत सारी बातें बताई। जिससे मैं प्रेरित होकर परीक्षा देने के लिए तैयार हो गई।
मैं पढ़ाई में बहुत ही कमजोर थी। इसके बावजूद भी मेरे शिक्षक महोदय पृथ्वीराज सिंह ने मुझे डांटा नहीं, बल्कि पढ़ाई के आसान और कठिन सवालों को बहुत ही सरलता से मुझे समझाया। इसके लिए मैं उनको अपने मन और दिल से धन्यवाद करती हूँ।

✦ परीक्षा की तैयारी

इस परीक्षा की तैयारी मेरे शिक्षक द्वारा विद्यालय में कराई जाती थी। मैं घर आकर पूरी मेहनत से अध्ययन करती थी। जिसके परिणाम स्वरूप मेरी रीजनिंग में सुधार हुआ। जब परीक्षा का दिन आया तब मैं थोड़ा डर गई थी। जब मैं परीक्षा सेंटर में जा रही थी तो बहुत घबराहट हो रही थी।
तब वहाँ मेरे शिक्षक ने मुझे प्रोत्साहित किया, जिससे मुझे हिम्मत मिली तथा मैंने खुशी-खुशी परीक्षा को अंजाम दिया। मुझे अपने आप पर पूर्ण विश्वास था कि मैं इस परीक्षा में अवश्य सफल आऊँगी।
जब परीक्षा का परिणाम मिला तो मैं खुश थी क्योंकि पूरे विद्यालय में मैं तीसरे स्थान पर थी। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद मुझे आगे की विधि के बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि स्कॉलरशिप कैसे आए। तब पुनः मेरे शिक्षक महोदय पृथ्वीराज सिंह ने मुझे मार्गदर्शन दिया और NSP पर मेरा पंजीकरण करवाया, जिसके बाद मुझे स्कॉलरशिप (12000 रुपये) की प्राप्ति हुई।

स्कॉलरशिप से लाभ

इस स्कॉलरशिप से मुझे अनेक प्रकार के लाभ हुए हैं। मैं एक ऐसे परिवार से हूँ कि मेरे पूरी पढ़ाई का खर्चा मेरे परिवार वाले नहीं उठा सकते हैं।

इस स्कॉलरशिप से मैं अपनी पढ़ाई के खर्चे को पूरा कर सकती हूँ।

जैसेः किताब, ड्रेस और कॉपी खरीद सकती हूँ, इत्यादि।

”

“हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!”

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

★ सफलता की कहानी ★

Divyanshu Jha
Upgraded high school
Mahishi isar tol
vibhutipur, samastipur

मैं एक बीज हूं ,उम्मीदों से भरी हुई,
मिट्टी से ढकी हूं ,पर सपनों से घिरी हुई।
धूप की तपिश में भी मुस्कुराना जानती हूं,
आंधियों के बीच अपना रास्ता पहचानती हूं।
आज भले खामोश अंधेरे में पड़ी हूं ,
कल नई सुबह बनकर धरती पर खड़ी हूं।
हर ठोकर मुझे मजबूत बनाती है,
मेरे भीतर की हिम्मत फिर अंकुर बन जाती है।

"मैं एक सामान्य छात्रा हूं । मेरी सफलता किसी एक दिन की उपलब्धि नहीं,बल्कि लगातार किए गए छोटे - छोटे प्रयासों का परिणाम है। पढ़ाई के दौरान मुझे अपने शिक्षकों और परिवार का मार्गदर्शन मिला, जिसकी बदौलत मुझे वर्ष 2024 के एनएमएमएस परीक्षा में सफलता प्राप्त हुई।

इस परीक्षा में सफलता मिलने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। इस छोटी जीत से मैं समझ पाई कि, मेहनत का फल अवश्य मिलता है। इससे मुझे अपनी पढाई के प्रति गंभीर तथा समर्पित बनने की प्रेरणा मिली।

पढ़ाई के दौरान मैंने नियमत्ता और समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया । मैने प्रतिदिन स्वनिर्मित स्वस्थ समय सारणी का पालन किया । साथ ही माता - पिता के योगदान और मेरे शिक्षकों विशेषकर मेरी आदरणीय शिक्षिका के मार्गदर्शन से मुझे अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहने में सहायता मिली।

एक लड़की होने के नाते मुझे समाज में प्रचलित कुछ धारणाओं का भी सामना करना पड़ा । कई बार यह सुनने को मिलता था, कि लड़कियां इतना पढ़ कर क्या करेंगी या, उन्हें आगे पढ़ाने की क्या आवश्यकता है? आर्थिक परिस्थिति भी कभी कभी आगे बढ़ने की राह में बाधा बनती थी।

इन परिस्थितियों ने मुझे निराश करने की बजाय और अधिक दृढ़ बनाया । मैने यह निश्चय किया कि शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को पूरा करूंगी और अपनी मेहनत से यह सिद्ध करूंगी की अवसर मिलने पर लड़कियां भी हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती है।

फलतः वर्ष 2026 में आयोजित 10 वी बोर्ड परीक्षा में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मैने अपने विद्यालय और पंचायत में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ मैने सह- पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया । इसी क्रम में मुझे कला उत्सव की जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने का सौभाग्य मिला । इस उपलब्धि ने मुझे यह सिखाया कि, यदि समय का उचित प्रबंधन किया जाय तो ,पढ़ाई के साथ अपनी रुचियों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है।

मेरी इस यात्रा में मुझे मिली हर सफलता और विफलता से मैने आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त किया है । मेरा विश्वास है कि निरंतर प्रयास और धैर्य हमे अपने लक्ष्य के करीब ले जाते हैं ।बस हमे खुद पर भरोसा रखने की जरूरत है।"

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

सफलता की कहानी

AKASH KUMAR

UMS PHULWARIYA GHANGHATI

PURBA CHAMPARAN

"

मेरा नाम आकाश कुमार है। मैंने NMMSS परीक्षा में सफलता पाने के लिए अपने स्कूल UMS फुलवरिया घंघटी के शिक्षकों के मार्गदर्शन में एक नियमित टाइम-टेबल बनाया। परीक्षा के दो मुख्य भागों की तैयारी मैंने इस प्रकार की:MAT (मानसिक योग्यता परीक्षा): इसके लिए मैंने तर्कशक्ति (Reasoning), कोडिंग-डीकोडिंग और नंबर सीरीज वाले प्रश्नों का रोज घर पर अच्छे से अभ्यास किया।SAT (शैक्षिक योग्यता परीक्षा): इसके लिए मैंने अपनी कक्षा 7वीं और 8वीं की विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान की सरकारी किताबों को बहुत गहराई से पढ़ा और उनके मुख्य नोट्स बनाए। परीक्षा से ठीक पहले मैंने पिछले कई वर्षों के प्रश्न पत्रों (Previous Year Papers) को हल किया।ग्रामीण क्षेत्र से होने के कारण मेरे पास इस परीक्षा की तैयारी के लिए कोई महंगी कोचिंग या विशेष गाइड बुक्स उपलब्ध नहीं थीं। घर पर भी पढ़ाई के लिए हमेशा अनुकूल माहौल नहीं मिल पाता था। इस चुनौती का सामना करने के लिए मेरे स्कूल के शिक्षकों ने बहुत मदद की। उन्होंने स्कूल के बाद मुझे अतिरिक्त समय दिया और कठिन विषयों को बहुत ही सरल तरीके से समझाया। स्कूल के माहौल और शिक्षकों के प्रोत्साहन से मैंने अपनी इस समस्या को दूर किया।"मेरी इस सफलता के पीछे मेरे माता-पिता का अटूट विश्वास और त्याग है, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद मुझे आगे बढ़ने और पढ़ने के लिए हमेशा प्रेरित किया। इसके साथ ही, मेरे स्कूल UMS फुलवरिया घंघटी (चकिया, पूर्वी चंपारण) के प्रधानाध्यापक, शिक्षिका शबनम मैम और राम बाबू सर का योगदान अतुलनीय है। शबनम मैम और राम बाबू सर ने न सिर्फ मेरा फॉर्म भरवाया, बल्कि हर कठिन मोड़ पर मेरा हौसला बढ़ाया और मुझे सही अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई। यह सफलता पूरी तरह से मेरे माता-पिता और गुरुजनों के आशीर्वाद का परिणाम है।

"

"हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!"

NMMSS 2025-26 के सितारें

– संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा –

सफलता की कहानी

Abhishek
JAMUI, ALIGANJ

मुख्य बातें ::

- चयनित विद्यार्थी : कुल 14
- जिला टॉपर : बंटी कुमार – रैंक 141 (जिला टॉपर्स में द्वितीय)
- विद्यालय इतिहास : पूर्व वर्षों में अब तक 145 सफलताएँ; इस वर्ष की सफलता के साथ कुल सफलताओं का आंकड़ा बढ़ कर 159 हुआ।

परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों की सूची :: (रैंक सहित)

1. बंटी कुमार – 141 (जिला टॉपर्स: 2nd)
2. सुशांत कुमार – 131
3. गुड़िया कुमारी – 123
4. अंकित कुमार – 121
5. सन्नी देवल – 120
6. आलोक कुमार – 119
7. शुभम कुमार – 118
8. प्रियंका कुमारी – 118
9. मोनिका कुमारी – 116
10. आयुषी कुमारी – 114
11. रौशन कुमार – 111
12. रितु कुमारी – 108
13. सोनाली कुमारी – 106
14. कमलेश कुमार पासवान – 106

“

तैयारी और योगदान ::

- **नोडल शिक्षक और समन्वय :** नोडल शिक्षक श्री राजीव कुमार रंजन तथा सहयोगी शिक्षक श्री नंदकिशोर प्रसाद, श्री रामचंद्र तांती एवं श्री सरजीत कुमार की सक्रिय भागीदारी रही।

- **शिक्षण पद्धति :** नियमित जाँच परीक्षा, अतिरिक्त कक्षा सत्र, कमजोर विषयों पर लक्षित प्रशिक्षण, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और सह-पाठ्य सामग्री का उपयोग किया गया।

- **प्रधानाचार्य का बयान :** विद्यालय ने अवधारणा समझ और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से नीतियाँ लागू किया, जिनका सकारात्मक परिणाम सामने आया।

समुदाय व अभिभावकों की प्रतिक्रिया ::

- अभिभावक और ग्रामीणों ने बच्चों की इस अनमोल उपलब्धि पर खुशी जताते हुए इसे स्थानीय स्तर पर शिक्षा के महत्व का उदाहरण कहा।
- अभिभावकों ने बताया कि छात्रवृत्ति प्राप्त होने से उच्च शिक्षा के मार्ग खोलने में मददगार हुआ और अन्य बच्चों के लिए सतत प्रेरणा बन रहा है।

छात्रों की प्रतिक्रिया ::

- सफल छात्रों ने मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के सहयोग को सफलता का मुख्य कारण बताया।
- कई छात्रों ने आगे उच्च शिक्षा जारी रखने और आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प व्यक्त किया।

आगे की योजनाएँ ::

- विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि वे इसी प्रकार की तैयारियों को जारी रखेंगे और अधिक छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु योजनाएँ बनाएंगे।
- दीर्घकालिक प्रभाव के रूप में विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और स्थानीय युवाओं के समग्र विकास में सुधार की उम्मीद जताई गई है।

निष्कर्षतः ::

यह उपलब्धि प्रमाणित करती है कि सही मार्गदर्शन, समर्पण और कठोर परिश्रम से छोटे ग्रामीण विद्यालय भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। **समुदाय और विद्यालय के संयुक्त प्रयास से भविष्य में और अधिक सफलताओं की अपेक्षा के साथ आप सभी शिक्षा हितधारकों को ढेरों शुभकामनाएं व बधाई।**

”

“हर संघर्ष एक नई कहानी लिखता है, आपकी कहानी किसी और की प्रेरणा बन सकती है!”

NMMSS 2025-26
के सितारें
संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

क्या आपकी या आपके विद्यार्थी की प्रेरक कहानी इस अंक में प्रकाशित नहीं हो सकी ?

चिंता न करें!
हम आपके अनुभव की प्रतीक्षा कर रहे हैं!

"NMMSS के सितारे" के अगले अंक के लिए हम शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से प्रेरणादायक सफलता की कहानियाँ आमंत्रित करते हैं।

यदि आपने अपने मार्गदर्शन, समर्पण और प्रयासों से विद्यार्थियों को **NMMSS** परीक्षा में सफलता दिलाई है, या आप स्वय **NMMSS** के सफल विद्यार्थी हैं और अपनी **संघर्ष से सफलता तक** की यात्रा साझा करना चाहते हैं, तो **अपनी प्रेरक कहानी** हमें अवश्य भेजें।

आपकी कहानी किसी विद्यार्थी के सपनों को नई उड़ान दे सकती है।

आइए, प्रेरणा बनें, प्रेरणा बाँटें!

कृपया अपनी प्रविष्टि के साथ निम्नलिखित विवरण भेजें–

- लेखक/शिक्षक/विद्यार्थी का नाम
- विद्यालय एवं जिला
- एक स्पष्ट पासपोर्ट आकार का फोटो
- सफलता एवं संघर्ष की प्रेरक कहानी (लगभग 500–1000 शब्द)
- आवश्यक उपलब्धियां एवं संपर्क विवरण

चयनित एवं उत्कृष्ट कहानियों को "NMMSS के सितारे" के आगामी अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अपनी कहानी भेजें:

https://tinyurl.com/ydrmwbma

अगले अंक के लिए
अंतिम तिथि:
31 July 2026

हर संघर्ष की कहानी अनमोल है,
उसे साझा करें, प्रेरणा का स्रोत बनें!